	ा. क्षेत्रीय नृत्य						
क्र॰स.	क्षेत्रीय नृत्य	क्षैत्र	पुः/स्त्रीः	विवरम			
1.	गैर नृत्य	मेवाड - बाडमीर	पुरुवों बरा) प्रमुख वाद्य:) बोल, बांबि धाली ।			
PER	Torrest.	or challe	4 161) क्वाना नडमेर का प्रति			
2.	धूमर नृत्य " लेकसत्यों की आमा	मारवाडु क्षेत्र	सहिमाओं हास	 लोकचत्यों का सिसमें। मांप्रतिक अवसर पर। राज का पाज्य ज्ञुत्य । 			
3.	अभिन नृत्य	बीकानेर के कर्तारेचासर्गंव	पुरुषों हारा	 जन्मानाथी सम्प्रदाय के निद्व नगाड़ा वाद्य यंत्र । 			
4.	बम नृत्य	भरतपुर्- अलक्	पुरुषो हार।	 होनी अवसर पर। वडा नगाडा (वम) वप कंत्र जर्ड फराल आने की असन्तत 			
5.	लांगुरियां नृत्य	• करोली • कैला देवी मेले ए	मिक्षिन सुगन	> किसी भी बाध्यंत्र का प्रयो वही किया जाता है। अफीरी व नीवत प्रजाई जाति			
6.	डांग चृत्य	नाथडारा	-युगल	 होली के जनसर पर। वील, सांदल थाली वाय 			
7.	दील मृत्य	ज्यातीर क्षेत्र व्योचरियाँ सम्भः	पुरुषीं हारा	 शादी के अवसर पर । वेल का मुक्तियों - थांकम न में बजाग प्रारम्भ करता है। 			

1				Faja No. You'vy
8.	- विंदोरी नृत्य	इंगलावाडुं होत्र	पुरुषीं हारा	🤊 गैर जृत्य के समान ।
8.	झुमरनृत्य	हाडौती क्षेत्र	# बिश्रयों द्वारा	•) मांअलिकु उनवसरी पर डांडियों की सहायता से।
10.	-चंग नृत्य	शेखावटी होत्रं	पुरुषों डारा	» होली के व्यामय । » ध्रताकार कृत्य ।
	गींदड्ड नृत्य	शेखावरी क्षेत्र	पुरुषों का ह	अधावनिका प्रचलित स्वय अधानिक पूर्व उंडागेपण से प्राथम होकर होती के अन्तक अधिमन क्यांग होते है। अधानिका क्यांग होते है। अधानिका क्यांग होते है। आता है।
-32.	घुडला न्यत्य	सारवाङ् (जीध्)	महिलाओं डाम्	 होती के उनक्सर पर। हिद्दित मटके में दीपक रब्पर मोलाकार पथ पर बालिकाओं अन किया जोने ब क्रत्य।
13,	खरी जृत्य	मेवात (अनक्र)	महिलामी द्वा	
14,	बुम्बर ब्रत्य	• जालीर छेत्र	महिलाओं हाश्	🥎 दील उचंत्र वाध्येत्र प्रयोग ।
15,	मेजन स्थ	• सामङ् चीत्र		इ दीपावली जावरम् पर्।
16.	झाँझी नृत्य	मारबाइ होत्र	महिलाओं द्वार	🕠 छीटे मरकों में छिद्र बर ।
13.	डोडिया नृत्य	मारवार् थेत	ग्राह्टि - पुरुषो	१ वृत्ताकार आस्त्री में (भैर भीदंड डांगडिया) १० श्राहमाई + नमाडे वाय बेंश।

स्कर नृत्य	नीवाड़ हीन	आदिवासियी' हारा	्र देवता शुकर की यद में।
		dist	-> मुख्यीटा लेगाकर विया जाने
गरबा मृत्य	बांभवाड्।-	बित्रयों द्वारा	
भैरव नृत्य	ब्यावर मे		» बादशाह - बीरबंब की संबंधी
नाहर् चृत्य	भीजवाड़ा के माण्डल बस्वे	पुरुखों हाश	 होनी के तैरम दिन पर कं तैरस पर। असमें अनक छालग्- अलग् समाज के न्यार-पुरुषें हारा।
		गहर सत्य भीनवाड़ा के	गहर चृत्य भीनवाड़ा के पुरुखों हारा

🎞 व्यावसायिक नृत्य

क्र•स	व्यावसायिक नृत्य	ह्येत्र-विशेन	सहिला /पु॰	विवरहा
1.	भवाई न्यून्य	सेवाङ् होत्र में भवाई जाति हार । ३ उदयपुर्शंभम का प्रसिद्ध	मुलत: पुरुषीं डाश लेकिन वर्त. में महिला	 पेबीवर जीकत्त्यों में अपनी न्यमत्कारी के कारन जीकप्रिया मुख्य विशेषता:> जृत्य सदायरी शारीः किया, अद्भूत न्यमत्कार, स्थकारी की विविधता। परनप्रिट शेखावत प्रसिद्ध भवार गृत्यकार।
₹.	ते र हवाबी	, जैसलीर पानी, नागीर	कामड जाति महिला मिश्रित युगल	 क व्यवा नामदेव की जानाधना में। के तेरह मंजीरों ज्ये किया जाने वामा। मांगीयाई + जरमञ्जारा कम्मः मिह क्यकर ।

				Page No.	Your
कच्छी घीड़ी न्हत्य	भेखावरी क्षेत्र + कुचामन , परवतस्त्र, हीउ- वना ।	प्रस्माहे, स्मराह , दोली व मांभी जाति प्रवीव ।	खेल, वका प्रधीयह ब	आदि हावस् बांकियाँ . ध न । असल के फुल	ाली वाप्येत्र
भीपी का क्रय	भेवाड, मास्वह	स्त्री		1	O

🏿 जातीय नृत्य

, स <u>.</u>	जाति	नृत्य	सहिला/पु.	विवरण
		कलबेलिया	सहिलाओं हार्	 सपैरा जाति का प्रसिद्ध मृत्य। पूँगी + चंग वाध्यंत्र बजाया जाताहै।
	والع			 अववाद् में अल्यन्त लीकप्रिया। अववार्म युनेञ्की द्वारा अमूर्त विकसत सूची में क्रामिल किया।
	कालबेलिया	ग इ ण्डोजी	स्त्री - पुरुष	क पूँगी + खंजरी पर किया जाने बन्त्य। क नर्तक युगल कामुक्ता का प्रदर्शन करने वाले कपडे पहनते हैं।
	PICO	मा शंकरिया	युगल चृत्य	 प्रमाख्यान वात्य । कालबेखियों को सर्वाः लोकप्रिय ।
		ए ण पितारी	युगल ज्ञत्य	🤊 पविद्यारी भीत जाते हैं।
		(v) बागड़ियाँ	महिलाभी डाम	 अलखेलियां क्ष्मि भीका मांकी समय गाती है। चंग वापयंत्र का प्रयोग ।

				Page No.
2.	त्रीं का कृत्य	03 -चरी न्हत्य	गुर्जर महिनामी द्वारा	 मंत्रिक अक्सर पर । मिर पर चरी (पीतल का कजा) लेकर किया जाता है। दोल , थाली, लांकिया गए यंत्र। किशनमद के पास मुर्जरों का पी मुसिद्द ल्यामंत्रा - फलकु लाई (किशनमद)
	月	्यूट्य च्यूट्य	पुरुखों द्वारा) पुरुषों का बीर रस प्रधान। र क्ममुश् वाद्य यंत्र का अमीग।
3.	म भेवां	(1) रवधाजा (11) रतवई	सुगल स्त्रियों द्वारा	्र पुरुष अलगीना + दमामी बनावेदी ३ क्षिर पर इन्डीपी व खारी स्मन्।
4.	(७) द्याद- निया जाति ●	()) बादालिया बृत्य		 घुमन्तु जाति बालदिया जाति भारों द्वारा किया जाने वाला
	2	ार जन	जाति ज्र	य
क्र॰स.	जनजाति	नृत्य	महिना / पु॰	विवरण
		1. गौर नृत्य	क्श्री- प्रक्ष	 अवभीर के जवसर पर । अवभीरता वाय यंत्र का असी।

DE Download From .- www.lvlyGkNotes.com

Page No.	Lunus
Dete	Soon

				D
	2.	वालर नृत्य	मिप्नेत	 अस्ति का प्रसिद्ध नृत्य । किसी भी वाय का का प्रयोग नहीं। अर्द्ध वृत्य में । पुरुष एक छाता + तलवार कीकर प्राप्तभा करता है।
	3.	्र गर्वा मृत्य	<u>बित्रवाँ</u>	ओहक कृत्य ।
न्ति	4.	कूद नृत्य	पुरुष् - स्त्री	 विज्ञा नाह्यम् के मिस्सवह निज्ञा नाने वाल्या ज्ञत्य । नय के लिय तालियों का सयीग ।
-6	5.	. जवारा नृत्य	स्त्री - पुरुष	इोनी दहन पूर्व।डोन के गोर चीव के साथ।
गामियो	6.	. च्र मृत्य	महिलाओं.	अवर पक्ष डाश वधू पधा से रिश्ते की मांग के समय ।
	7	. सीरियान्द्य	पुरुखों	इ गवपति वन्यापना के बाद रात में।
	8	मोदल नृत्य	महिलाओं द्वर) अ मौत्रालिक अवसरीं पर अ धाली म 'बॉस्सूरी का प्रयोग ।
1	9.	. रायन नृत्य	पुरुषी हारा	अ मांग्रलिक अक्सरों पर्
		L. गवरी (राई)	पुरुषों हारा	 आह्मपद् माह — आश्रि, मुक्ल एकादशी जृत्य नाह्य हैं। मेकाद में सत्यधिक प्रचितित । मुख्य नाधार - शिव + मरमासूर की अवाज् का व्यवसे प्राचीन कीक्र नाह्य ।

				Pege No.
		२. भील, मीजो का नेजा मृत्य	सिंहला-पुरुष चीनी हारा	त्रीली के तीसरे दिन खेने जाने वाला। उसेरवादा व डुँगरपुर के जील व नीवा में प्रचलित। अतिरक्ष प्राप्त करने का प्रयास।
	b	इ. वीर कृत्य	पुरुधी द्वारा	े होली के अक्सर पर ।
[Z.]	की जीव	4. डिचक्री	महिलाडों डारा पुरुषों	, मांभलक कावसर पर ।
	भीलौं	ह. धूमरा कृत्य	सहिलाग्री दारा	्रमांग्राजिक अवसरी पर । ्र ढील + थाली की थाप पर ।
		e. टाधी मना	मीन जनजाति	हारा ।
		न. युद्द वृत्य	राजस्थान के दुई	म यस पहाडी होनी में।
[3]	134	1. साविस्या मृत्य	पुरुषी द्वाश	» व्यवसानि में । » दीलक, रापरा, बांशनी , बॉस्सी ।
	A STATE OF THE PARTY OF THE PAR	३. होली बृत्य	महिलागी द्वारा	 अधीडी महिनारें। पुरुष:- बोनक, द्योदियां, पानरी, बांसनी पर संज्ञता। होती के अवसर पर।
[4]	la la	्रा. स्वोग् सृत्य	पुरुषीं हारा	 होती व विशेष अवसरों पर। वेलक, नगादा, सांबर, उपली, मंजीरा, सिर पर मीरपंडा, मुदुद वारि विशेषना।
	अहरिय	३. शिकारी नृत्य	पुरुषें हारा	भ विकार का अभिनय करते उसे दिया जाने जला बृत्य ।

	3.	लॅंहगी नृत्य	अरुम् मधन	
	4.	इन्द्रपुरी	पुरुषी हारा	रुवांग के सम्प में
	5.	झेला	क्श्री - पुरुष	सामुहिक जायन
	6.	विडिनी	पुरुष	फाग के अवसर पर
	3.	मछली	स्त्री हारा	•) दुमार का रूप । •) दुखान चृत्य ।
[5]	कंजरों के जृत्स	चकरी / पहुँ दी	महिलाओं डारा	 बुदी तीज * कजली तीज * बे अवसर । बुँदी क्षेत्र में । द्रप . दीलक, मंजीरा प्रमुख वृत्यामंत्रा :- श्राति , फुलवां , फिलांमा मारि ।
	3.	धाकड्	कंजर नीमी इस) साला पाव की विजय की खुकी मैं। १ युद्ध का उनमितय करते <u>ड</u> ये ।
	जाति	रासिया	स्त्री-पुरुष	अप्रह्म के पूर्वी जिन्नों में दौशा. स. आधीपुर करौली में ।
[6]	मीणा अनुनाति	सुगनी	बुगल	्र पार्ली दीन में । > ग्रावन के महीने में । > भ्रावन के महीने में । > भ्रावन के महीने में ।

	ा. क्षेत्रीय नृत्य					
क्र॰स	क्षेत्रीय नृत्य	क्षेत्र	पुः/स्प्रीः	विवरम		
1.	गैर नृत्य	मेवाड - वाडमीर	पुरुवों बारा	•) प्रमुख वादाः > दोल , बांदि धाली ।		
Die la	Curios di	- VENE		्र 'क्षाना ' बाडमेर का मि		
2.	धूमर नृत्य " नोकस्त्यों की आजाः	सारवाडु क्षेत्र	सहिनाओं हारा	 लोकचत्यों का सिस्मीर । मांभलिक अवसर पर । राज का प्राज्य ज्ञाया । 		
3.	अधिन नृत्य	बीकानेर के कतरियासर्गंव	पुरुषों हारा	 अञ्चलाधी सम्प्रदाय के सिंह अञाङ्ग वाद्य यंत्र । 		
4.	बम नृत्य	स्रातपुर्- अलक्	पुरुषो हारा	 होनी ख्रवरार पर। बडा नगाडा (वम) वाय यंत्र जर्ड फराल खाने की असन्त 		
5.	लांगुरियां नृत्य	• करोली • कैला देवी मेले ए	निमिन चुम्ल	> विसी भी बाध्येन का प्रयो वही किया जाता हैं। > नफीरी व नीवत वजाई जा।		
6.	डांग मृत्य	नाथडारा	युगल	 होली के अवसर पर। वील, मांदल थाली वायः 		
7.	दील नृत्य	जातीर क्षेत्र व्याचप्रयों सम्भः	पुरुति द्वारा	 शादी के उावसर पर । दोल का मुक्तियों - थांकना में बजाना प्रारम्भ करता है। 		

1				Page No. YouvA
8.	-बिंदोरी नृत्य	ङ्गालावाडु सेत्र	पुरुषीं हारा) गैर ज्रत्य के समान ।
8.	झुमरन्त्य	हाडौती क्षेत्र	इ बिश्रयों द्वारा	•) मांअभिकु डावसरी पर डांडियों की खहायता से।
10.	न्वंग स्त्य	शेखावटी होत्रं	मुरुषों द्वारा	होनी के व्यामय ।भूताकार कृत्य ।
	नींदर् नृत्य	शेखावटी धेंग	पुरुषों का क	श्रेखाव्य का प्रचलित क्य्य श्रे होली के पूर्व डंडागेपण से प्राथम होकर होली के अन्तक श्रे विभिन्न ब्यांग होते हैं। श्रे वी उच्छों से अग्रह्म बजाया जाता है।
12.	घुडला न्यू	सारवाङ् (जीद्य)	7 - 195	 होती के उनक्सर पर। हिर्दित मटके में दीपक रव्यर मोलाकार पथ पर बालिकाओं डारा किया जोने ब क्रत्य।
13,	खरी जृत्य	मेवात (अनक्र)	सहिलामी द्वारा	
14.	लुम्बर सत्य	• जालीर हीन	महिलाओं हाश	🥎 दील उचंत्र वाध्येत्र प्रयोग ।
15.	पेजन चत्य	• साग्रह छीत्र		इ दीपावसी अवस्म पर्।
16.	झाँझी नृत्य	मारबाइ होत्र	महिलाओं द्वार	🥎 छीटे मरकों में छिद्र कर ।
[F.]	डोडिया नृत्य	मारवाडू छेत्र	सार्ड . पुरावी	 श्वताकार आद्धित में (श्रेर, भीदड - डांगडिया) अहमार्ड + मगाउँ वाद्य येत्र ।

				Page No.: Your
18.	स्कर नृत्य	बीवाड़ हीन	आदिवासियो <u>ः</u> हारा	रेवता शुकर की याद में।अ मुख्योटा लगाकर किया जाने
19,	गरबा सूत्य	बांभवाडा-	क्त्रियों द्वारा	
RO.	भरव नृत्य	च्यावर मे	THE REAL PROPERTY.	> बादशाह - लीखन की रावारी
2).	नाहर् चृत्य	माण्डल <u>ब्स्</u>	पुरुषीं हाश	3 होती के तेस्स दिन पर रं नेद्रश पर। 3 क्सों अलक डालग्- जालग् सामाज के न्यार-पुरुषों हारा।
ॐ० स ₀	<u>व्यावसायिक</u>	ह्येत्र-विशेन	मायिक न्	विवरहा
1.	भवाई नृत्य	चीवाड़ होत्र में भवाई	मुलतः पुरुषी	» पेशेवर जीकतृत्यों में सपन
	THE PARTY NAMED IN	म अवाउ	डाश लेकिन	10 0
K	9	जाति हात्र । > उदयपुर संभाव का प्रसिद्ध	वर्त. में महिल	न्यमत्कारी के कारत लोकपिय

1-DF Download From - www.MyGkNotes.com

1	1000		100		-5	
	कच्छी घीड	भ कुचामन परवतसरू, वना ।	,	पुरुष सारमहे . डोली मांभी ज प्रवीव	व	विवाह मादि स्वस्थ पर् वेल, बांकियाँ याली वाध्येत्र स्थान । यह कमल के फुल के पैर्टर्न बनाने की कला के जिए प्रसिद्ध ।
4.	भीपी का व	क्त्य भेवाड, क	गरवह	स्त्री		7.01
	1	जाती-	य	नृत्य		30
6	जाति	न्दरय	सहिल	1/3.	13	विवरण
)	गाति	कालबेलिया	सहिव	गओं डाश्	今日	पेरा जाति का प्रसिद्ध मृत्य। हुमी + न्यंग वाघयंत्र बजाया जाताहैं। ववाइ में अत्यन्त लीकप्रिय। वक्षों सुनेरूकी द्वारा अमूर्त विशसत में मामिल किया।
	कालबीलया उ	॥ इन्डोनी	इप्री-	पुरुष	9 0 9 0	पूँगी + खंजरी पर किया जाने बन्त्य। वर्तक युगल कामुक्ता का प्रदर्शन करने वर्तन कपडे पहनते हैं।
	Polico	मा शंकरिया	युगल	न नृत्य	9	प्रेमाख्यान वृत्यू । कानवेषियों के सर्वाः लोकप्रिय् ।
		(भ) पितारी (भ) पितारी	युगल	नृत्य	*	पविद्यमि भीत जाते हैं।
		(७) बागड़ियाँ	महिल	नाभी डाय		कालबेलियों क्ष्मी भीका मांकी समय गाती है। -दोंभ वापयंत्र का प्रयोग ।

A		The same		Cons Kongy
2.	रीं का मृत्य	03 न्यरी न्यून्य	गुर्जर महिलामी द्वारा	 मांग्रिक अक्सर पर । किर पर चरी (पीतल का क्सा) लेकर किया जाता है। वोल धाली, लांकिया वाप यंत्र। किशनगढ़ के पास गुर्जरों का पी कृत्य लोकप्रिय । प्रसिद्ध व्यत्यागंता • फलकु बाई •
	世 月	(11) झुमर्	पुरुषों डारा	(किश्रमप्रद) अ पुरुषों का वीर रस प्रधान। अ दममुश् वाद्य यंत्र का प्रयोग।
3.	म मेवीं केन्त्य	()) रषद्याजा (१) रतवई	युगल स्त्रियों हारा	२ पुरुष अलगीजा + दमामी बजते है। २ किर पर इन्डोपी व खारी स्टाब्स्।
4.	(७) द्याद- निया जाति ●	(i) बादालिया बुत्य		» घुमन्तु जाति वालदिया जाति भारों द्वारा किया जाने वाला
	259	ाप्र जन	ाजाित ज्र	य
क्र॰ स.	जनजाति	नृत्य	महिना / पुः	विवरण
		1. गौर नृत्य	क्श्री- पुरुष	३ अवगोर के अवसर पर । ३ अनुन्तानिक श्रन्य। ३ गोरजा ' वाय यंत्र का प्रयोग ।

1				Pasa No.: Deta
		२. वालर चृत्य	मिप्नेत	 अ अशिक्षियों का प्रक्षित् नृत्य । अ किसी भी वाद्य यंत्र का प्रयोग नहीं।
				 अर्द्ध वृत में। अर्द्ध वृत में। अर्द्ध वृत में। अर्द्ध वृत में।
		3. गर्वा मृत्य	क्रिज्ञों ।	अभोहक कृत्य ।
	मुख्य	4. कूद् नृत्य	पुरुष-स्त्री) विमा नाह्यम् के पित्तवह निज्या) नय के लिय तालियों का स्योग।
1.]	योकेस	5. जवारा नृत्य	स्त्री - पुरुष	इोली दहन प्रवि। े ढोल के गोर चीव के साथ।
	नाशास्त्र	ं. चूर मृत्य	महिलाओं.	२ वर पश डाश वधू पश से विश्ते की मांग के समय ।
		= . सीरिया कृत्य	पुरुषों'	इ गवपित स्थापना के बाद रात में।
		8 मांदल नृत्य	महिलाओं हा) भौजलिक अवसरों पर अधानी + 'बाँसूरी का प्रयोग ।
	0	9. रायन गृत्य	पुरुषीं हारा	त्र मांग्रालिक मक्सरीं पर्
		1. वावरी (राई)	पुरुषों हारा	नाद्रपद्र माह — आश्री, शुक्त एकादशी नुरुष माह्य है। नुरुष माह्य मह्याधिक प्रचारित । नुरुष माह्य मह्याधिक प्रचारित । नुरुष माह्य मह्याधिक मह्याधिक । नुरुष माह्य मह्याधिक मुद्राधिक । नुरुष माह्य मह्याधिक मुद्राधिक । नुरुष मह्याधिक मुद्राधिक मुद्राधिक । नुरुष मह्याधिक मुद्राधिक मुद्राधिक । नुरुष मह्याधिक मुद्राधिक मुद्राधिक । नुरुष मुद्राधिक मुद्राधिक मुद्राधिक मुद्राधिक । नुरुष मह्याधिक मुद्राधिक मुद्राधिक मुद्राधिक । नुरुष मुद्राधिक मुद्राधिक मुद्राधिक मुद्राधिक मुद्राधिक मुद्राधिक । नुरुष मुद्राधिक मुद्राध

				Page No.
		२. भील, मीनों क नेजा नृत्	सिंह्ला-पुरुष् । वीजी द्वारा	 होली के तीसरे दिन खेले जाने वाला। अंदोरताद्वा व डुँगरपुर के मील व नीवा में प्रचलित। अंतरियम प्राप्त करने का प्रयास।
	br	उ. वीर कृत्य	पुरुषी द्वारा	्र होली के अक्लिए पर ।
[Z.]	के ज़ित्र	4, डिचक्री	महिलाडों डारा	, मांभलक अवसर पर ।
7	मीलों व	ह. धूमरा क्र	म सहिलाओं दाश	्रमांग्राजिक अवसरी पर । ्र ढीन + थाली न्द्री थाप पर ।
		ह हाधीमना	मीन अनुजाति	क्षारा ।
		न. युद्द सूत्य	राजस्थान के दुई	भ पर पहादी सेनी में।
[3]	USA INST	1. साविस्या नृत्य	पुरुषी द्वाश	» वावरात्रि में । » दीलक, वापरा, बांशनी, बांस्ती।
	क्रभीहे	३ होली बृत्य	। अड विज्ञाने ।	 अधीडी महिनारें। अपुरुष:- बीलक, घोरियों, पानरी, बांसली पर संगत। होली के अवसर पर।
[4,]	15	J. स्वोग् नृत्य	पुरुषों द्वारा	े हीली व विशेष अवसरीं पर। े दोलक, नगाड़ा, सांबर, उपली, मंजीरा, स्रिर पर मोरपंडा, मुदुर आदि इसकी विशेषना।
	अहिरि	२. शिकारी नृत्य	पुरुषों हारा	भ किसार का अभिनय करते हुये किया जाने वला सूत्य।

प्रभाव के सहिने में। प्रभाव के सहिन में।	इिला स्प्री पुरुष सामुहिक अयम बिडिनी पुरुष फाग के अवसर पर बिडिनी पुरुष फाग के अवसर पर बिडिनी पुरुष फाग के अवसर पर बिडिनी पुरुष अध्यान कर्य। बिडिनी पुरुष अहिलाओं डारा अ बुदी तीज क्जिली तीज के अवसर। बिडिनी के बिजिन के अवसर। बिडिनी के बिजिन के अवसर। बिजिन के अ			3.	लँहगी नृत्य	पुरुष मधन	
ह बीडेनी पुरुष फाग के अवसर पर ब. सछ ली एश्री हारा > दुर्ग का रूप। कर्य > दुर्गान्त क्र्य। श. चकरी / महिलाओं हारा > दुर्ग तीज + कजली तीज " के अवसर। के दुर्ग , होलक , मंजीरा > अमुख ज्ञूर्यमंना :- शांति - फुलवां , फिलांमा मारि। 3. धाकड़ कंजर लोगी हम > साला पाव की विजय की खुशी में। > युद्व का जामितय करते हुये। मिर्मा स्प्री-पुरुष > एठ्य के पूर्वी जिलों में दोसा स्व माधोपुर , करोली में।	ति विडिनी पुरुष फाग के अवसर पर नु सछ ली एश्री हारा > धुमर का रूप। च्रत्य > दुर्गान्त चृत्य। रहे पुर्वी महिलाओं हारा > बुदी तीज - कजली तीज - के अवसर। नु सुंदी - कुद्र्ग , होलक , मंजीरा अमुख ज्ञूत्यमंना :- शांति - फुलवां , फिलांमा मादि। उ. धाकड़ कुजर नीमी अम > साला पाव की विजय की खुमी में। अ पुरु का लामितय करते हुये। रासिया स्प्री-पुरुष > एह्य के पुर्वी जिलों में दीसा. स. माधीपुर , करीली में।			4.	इन्द्रपुरी	पुरुषी द्वारा	रुवांग के स्वप में
मुख्य प्रमास कार्य। हि क्या कार्य कार्य। हि क्या कार्य कार्य। हि क्या कार्य।	मुख्य एश्री हारा । इसर् का रूप। इत्य । इत्यान्त चत्य। इत्य । इत्यान्त चत्य। इत्य । इति			5.	झीला	क्शी - पुरस	सामुहिक भायन
हैं चुत्य के दुखान चृत्य। है चकरी महिमाओं डारा के बुदी तीज के कचली तीज के वे अवसर। के दूप , दोलक , मंजीरा के दूप के दूप के प्रवासित करते हुये । हि स्थिया स्थि पुरुष के पूर्वी जिलों में दोशा सक माधीपुर , करीली में । हि स्थिया स्थि पुरुष करीली में ।	हैं। चुरुय के दुखान चूर्य। है चुरुरी महिमाओं डारा के बुरी तीज कज़िसी तीज के जे अवसर। है फूर्नी के दूप , दीलक, मंजीरा क्रियांमा जारि। है उस , दीलक, मंजीरा क्रियांमा जारि। है उस , दीलक के मंजीरा क्रियांमा जारि। है उस क्रियांमा जारि। है उस क्रियांमा क्रियांमा क्रियं के प्रकी क्रियं के प्रकी हैंगे। है उस क्रियांमा क्रियं के प्रकी जिनों में दीसा सक माधीपुर , करीनी में।			6.	विडिनी	पुरुष	फाग के अवस्थर पर
5 मुंदी के बुंधी सेन्न में।	5) के दूप , दोनक , मंजीरा , अमुख वृत्यामंना :- शांति , कुलवां , फिलांमा मादि । 3. धाकड़ कंजर नीमीक्ष्म , साला पाव की विजय की खुमी में। , युद्ध का लाभितय करते हुये । 4. रासिया स्प्री-पुरुष , रहन के पुर्वी जिलों में दोशा सक माधीपुर , करीली में।			3 .		स्त्री हारा	•> दुमर् का रूप । •> दुखान्त चृत्य ।
3. धाकड़ कंजर नेगिडम ? साला पाव की विजय की खुकी में। ? युद्ध का त्यांभितय करते ड्ये। या. समिया स्त्री-पुरुष ? एड्य के पूर्वी जिन्नों में वीसा. स. माधोपुर करोली में।	3. धाकड़ कंजर लोगीडम > साला पाव की विजय की खुर्जी में। > यह का लाभितय करते ड्ये। रामिया स्त्री-पुरुष > एह्य के पूर्वी जिलों में वीसा. स. माधीपुर करोली में।	[5]		٥.	-चकरी / फुँदी	महिलाओं डारा	 इंप , डोलक, मजीरा प्रमुख बृत्यामंना :- श्रांति , पुलवां ,
61 6 0 8 2 2	61 6 0 8 1 1		· G	3.	धाकड	कंजर नीगी इस	 भाला पाव की विजय की खुकी में। भुद्व का लाभिनय करते हुये।
61 6 0 8 1 1	61 6 0 8 1 1		All H	i.	रसिया	स्त्री-पुरुष	% एड्य के पूर्वी जिन्नों में दौशा. स. माधीपुर करीली में ।
		[6]	1112	2.	सुभनी	बुगल	14 f B